तिथि
5.5.2020

Topic SL. No.- (53)
शीर्षक क्रम सं०

स्नातक प्रथम वर्ष
हिन्दी (प्रतिष्ठा)
B.A Hindi (Hons.)
D1
पत्र - प्रथम - 1.

लघुत्तरीय प्रश्न

प्र03 हिन्दी-साहित्य के आरंभ काल में जैन-साहित्य का महत्व अपने शब्दों में लिखिए।

उ03 महात्मा-बुद्ध के समान महावीर स्वामी ने भी अपने धर्म का प्रचार लोक भाषा के माध्यम से किया। यही कारण है कि जैन-धर्म के अनुयायियों को अपने धार्मिक सिद्धांतों का ज्ञान अपभ्रंश में प्राप्त हुआ। वैसे तो जैन उत्तर भारत में जहाँ तहाँ फैले रहे किन्तु आठवीं से तेरहवीं शताब्दी तक काठियावाड़ गुजरात में इनकी प्रधानता रही। वहाँ के चालुक्य, सोलंकी आदि राजाओं पर इनका पर्याप्त प्रभाव रहा।

महावीर स्वामी का जैन धर्म हिन्दू-धर्म के अधिक समीप है। जैनों के यहाँ भी परमात्मा तो है पर वह सृष्टि का नियामक न होकर चित्त और आनंद का स्त्रोत है। उसका संसार से कोई संबंध नहीं है। प्रत्येक मनुष्य अपनी साधना और पौरुष से परमात्मा बन सकता है। उसे परमात्मा से मिलने की कोई आवश्यकता नहीं है। इन्होंने जीवन के प्रति श्रद्धा जगाई और उसमें आचार की सुदृढ़ भित्ति की स्थापना की।

Scanned with CamScanner

अहिंसा, करुणा, दया और त्याग का जीवन में महत्वपूर्ण स्थान बताया। उन्होंने उपवास, व्रतादि पर अधिक बल दिया है। कर्मकांड की जटिलता को हटाकर ब्राह्मण तथा शूद्र को मुक्ति का समान मार्ग ठहराया।

जैन मुनियों ने अपभ्रंश में प्रचुर रचनाएँ लिखीं जो कि धार्मिक हैं। कुछ गृहस्थ जैनों का लिखा हुआ साहित्य भी उपलब्ध होता है। इसके अतिरिक्त उस समय के व्याकरणादि ग्रंथों में भी साहित्य के उदाहरण मिलते हैं। कुछ जैन कवियों ने हिन्दुओं के राम एवं कृष्ण के चरित्रों को अपने धार्मिक सिद्धांतों और विश्वासों के अनुरूप अंकित किया है। इसके अतिरिक्त जैन महापुरुषों के चरित्र लिखे गये। साथ ही साथ रहस्यात्मक काव्य भी लिखे गये हैं। जैन मुनि शील और ज्ञान-संपन्न उच्च वर्ग के थे। तभी तो दूसरे धर्मों के प्रति कटु उक्तियों का ही इन्होंने प्रयोग किया और न ही लोक-व्यवहार की उपेक्षा ही की।

स्वयंभू (आठवीं शती), पुष्पदंत (दसवीं शती) आदि इसके प्रमुख रचनाकार के रूप में जाने जाते हैं।

इस प्रकार निस्संदेह रूप से यह कहा जा सकता है कि हिन्दी-साहित्य के विकास में जैन-धर्म का बहुत बड़ा हाथ है।

डॉ० आरती प्रसाद
सह प्राचार्य, हिन्दी-विभाग
रास नारायण महाविद्यालय,
पण्डौल, मधुबनी
मोबाइल 9955839898

Scanned with CamScanner